***दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन* (*भाग–7*)**

नेतृत्व पर नीतिवचन

रविवार, 08 मार्च 2026 – उपदेश की रूपरेखा

अब तक हमने देखा:
नीतिवचन में बुद्धि के बारे में
नीतिवचन में संबंधों के बारे में
नीतिवचन में परिवार के बारे में
नीतिवचन में पवित्रता और ईमानदारी के बारे में
नीतिवचन में अनुशासन और आत्म-संयम के बारे में
नीतिवचन में काम के बारे में

आज: नेतृत्व पर नीतिवचन

नीतिवचन की पुस्तक में ऐसे अनेक सिद्धांत हैं जो सीधे नेतृत्व पर लागू होते हैं। यद्यपि इसमें आधुनिक नेतृत्व की शब्दावली का उपयोग नहीं किया गया है, फिर भी यह बुद्धि, दृष्टि, योजना, चरित्र, न्याय, नम्रता, प्रभाव और शासन जैसे नेतृत्व के मूल विषयों को संबोधित करती है। नीतिवचन में हम राजा, शासक, दृष्टि जैसे शब्द देखते हैं और उन्हें उन नेतृत्व विषयों के साथ समझ सकते हैं जिनसे हम परिचित हैं। यह बहुत रोचक है कि लगभग 3000 वर्ष पहले दिए गए ये नीतिवचन आज भी समकालीन नेतृत्व के संदर्भ में उतने ही प्रासंगिक हैं। आइए इनमें से कुछ पर विचार करें।

1. **दृष्टि और दिशा**

नेता लोगों को दृष्टि और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

नीतिवचन 29:18 (HINOVBSI)
जहाँ दर्शन नहीं होता वहाँ लोग उच्छृंखल हो जाते हैं;
परन्तु जो व्यवस्था को मानता है वह धन्य है।

दृष्टि (प्रकाशन) के बिना लोगों के पास आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन नहीं होता और वे उद्देश्यहीन यात्रा में भटक सकते हैं।

2. **रणनीति और योजना**

बुद्धिमान नेतृत्व सोच-समझकर योजना बनाता है और सही सलाह प्राप्त करता है।

नीतिवचन 21:5 (HINOVBSI)

परिश्रमी की युक्तियाँ निश्चय ही लाभ पहुँचाती हैं,
परन्तु जो उतावली करता है वह घटी में पड़ता है।

नीतिवचन 20:18 (HINOVBSI)
युक्ति से योजनाएँ स्थिर होती हैं;
और बुद्धिमान सलाह से युद्ध किया जाता है।

3. **निर्णय-निर्माण**

नेताओं को मामलों का बुद्धिमानी से निर्णय करना चाहिए।

नीतिवचन 16:10 (HINOVBSI)
राजा के होंठों पर ईश्वरीय वचन होता है;
न्याय करते समय उसका मुँह अपराध नहीं करता।

राजा (नेता) के शब्द अत्यंत प्रभावशाली होते हैं।

नीतिवचन 21:1 (HINOVBSI)
राजा का हृदय यहोवा के हाथ में जल की धाराओं के समान है;
वह उसे जिधर चाहता है उधर फेर देता है।

परमेश्वर नेता के हृदय का मार्गदर्शन कर सकता है, इसलिए नेताओं को परमेश्वर के प्रति समर्पित और उसकी आवाज सुनने वाले होना चाहिए।

4. **बुद्धि और क्षमता**

नेतृत्व की प्रभावशीलता बुद्धि से आती है।

नीतिवचन 8:15-16 (HINOVBSI)
मेरे द्वारा राजा राज्य करते हैं,
और शासक न्याय का विधान करते हैं।
मेरे द्वारा प्रधान और अधिकारी,
और पृथ्वी के सब न्यायी शासन करते हैं।

5. **चरित्र और ईमानदारी**

चरित्र नेतृत्व की नींव है।

नीतिवचन 16:12 (HINOVBSI)
राजाओं के लिए दुष्टता करना घृणित है,
क्योंकि सिंहासन धर्म से स्थिर होता है।

नीतिवचन 20:28 (HINOVBSI)
करुणा और सत्य राजा की रक्षा करते हैं,
और प्रेम से वह अपना सिंहासन स्थिर रखता है।

नीतिवचन 25:5 (HINOVBSI)
राजा के सामने से दुष्ट को दूर कर दो,
तब उसका सिंहासन धर्म में स्थिर होगा।

नेताओं को सावधान रहना चाहिए कि कौन उन्हें सलाह और प्रभाव देता है।

नीतिवचन 29:12 (HINOVBSI)
यदि शासक झूठी बातों पर ध्यान देता है,
तो उसके सब सेवक दुष्ट हो जाते हैं।

6. **न्याय और शासन**

नेता निष्पक्षता और न्याय के लिए उत्तरदायी होते हैं।

नीतिवचन 14:35 (HINOVBSI)
राजा की कृपा बुद्धिमान सेवक पर होती है,
परन्तु जो लज्जा लाता है उस पर उसका क्रोध होता है।

नीतिवचन 29:4 (HINOVBSI)
राजा न्याय से देश को स्थिर करता है,
परन्तु घूस लेने वाला उसे उलट देता है।

नीतिवचन 20:8,26,28 (HINOVBSI)
राजा जब न्याय के सिंहासन पर बैठता है,
तो अपनी आँखों से सब बुराई को तितर-बितर कर देता है।
बुद्धिमान राजा दुष्टों को छाँट देता है।

करुणा और सत्य राजा की रक्षा करते हैं।

7. **नम्रता और सीखने की प्रवृत्ति**

महान नेता नम्र और सीखने के लिए तैयार रहते हैं।

नीतिवचन 11:2 (HINOVBSI)
जब घमण्ड आता है तब अपमान भी आता है,
परन्तु नम्र लोगों के साथ बुद्धि रहती है।

8. **प्रभाव और उदाहरण**

नेता उन लोगों की संस्कृति को आकार देते हैं जिनका वे नेतृत्व करते हैं।

नीतिवचन 29:2 (HINOVBSI)
जब धर्मी लोग अधिकार में होते हैं तो लोग आनन्दित होते हैं;
परन्तु जब दुष्ट शासन करता है तो लोग कराहते हैं।

नीतिवचन 14:34 (HINOVBSI)
धर्म किसी राष्ट्र को ऊँचा करता है,
परन्तु पाप किसी भी जाति के लिए लज्जा है।

9. **संचार**

नेतृत्व का प्रभाव उचित वाणी के माध्यम से प्रकट होता है।

नीतिवचन 16:21 (HINOVBSI)
बुद्धिमान मनुष्य समझदार कहलाता है,
और मधुर वाणी से शिक्षा बढ़ती है।

10. **अनुशासन और जवाबदेही**

नेताओं को सुधार करना और मानकों को बनाए रखना चाहिए।

नीतिवचन 27:5-6 (HINOVBSI)
खुली हुई डाँट छिपे हुए प्रेम से उत्तम है।

मित्र के घाव विश्वासयोग्य होते हैं,
परन्तु शत्रु के बहुत से चुम्बन धोखा देते हैं।

11. **लोगों के प्रति करुणा और देखभाल**

नेतृत्व में कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति करुणा और देखभाल भी शामिल होती है।

नीतिवचन 29:14 (HINOVBSI)
जो राजा दीनों का न्याय सत्य से करता है,
उसका सिंहासन सदा स्थिर रहेगा।

नीतिवचन 28:16 (HINOVBSI)
जो शासक समझ से रहित है वह बड़ा अत्याचारी होता है;
परन्तु जो लोभ से बैर रखता है वह दीर्घायु होगा।

12. **पूर्वानुमान और दूरदृष्टि**

बुद्धिमान नेता भविष्य के परिणामों का पूर्वानुमान लगाते हैं।

नीतिवचन 22:3 (HINOVBSI)
चतुर मनुष्य विपत्ति को देखकर छिप जाता है,
परन्तु भोले लोग आगे बढ़ते हैं और दण्ड पाते हैं।

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

***दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन* (*भाग–7*)**
नेतृत्व पर नीतिवचन
रविवार, 08 मार्च 2026 – उपदेश की रूपरेखा

यह लाइफ़ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के उपदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि प्रत्येक व्यक्ति कैसे वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ़ ग्रुप की बैठक सामान्यतः 1.5 से 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ़ ग्रुप में 12–15 लोग होते हैं।

तैयारी

लाइफ़ ग्रुप लीडर:
लाइफ़ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए आप उपदेश सुन सकते हैं या रविवार के उपदेश नोट्स की समीक्षा कर सकते हैं। कृपया लाइफ़ ग्रुप के दौरान पूरे उपदेश नोट्स पढ़ने के लिए समूह को न कहें। आपको केवल नीचे दिए गए शास्त्र संदर्भों को अलग-अलग व्यक्तियों से पढ़वाना है और फिर दिए गए प्रश्नों के माध्यम से चर्चा, साझा करने और सीखने का समय खोलना है।

ये सभी संसाधन “ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर” मोबाइल ऐप में या हमारी उपदेश वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लाइफ़ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत

लाइफ़ ग्रुप बैठक प्रार्थना, आराधना और किसी रोचक गतिविधि के साथ आरम्भ हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

नीचे दिए गए एक या अधिक शास्त्र संदर्भ पढ़ें।

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

लाइफ़ ग्रुप चर्चा-आधारित और सहभागिता से भरी बैठक होती है, जिसमें हर किसी को अपनी सीख साझा करने का अवसर मिलता है। कृपया इनमें से कुछ बातों पर मिलकर चर्चा करें और लोगों को अपने विचार साझा करने के लिए समय दें। हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं कि वह समूह चर्चा के दौरान अपनी व्यक्तिगत सीख के नोट्स बनाए।

1. नीतिवचन में नेतृत्व के इन क्षेत्रों पर दिए गए एक या अधिक शास्त्र वचनों की समीक्षा करें और चर्चा करें कि ये हजारों वर्ष पहले लिखे जाने के बावजूद आज भी कितने प्रासंगिक हैं। नेतृत्व की परिस्थितियों में इनके व्यावहारिक अनुप्रयोग पर चर्चा करें।

दृष्टि और दिशा (नीतिवचन 29:18)

रणनीति और योजना (नीतिवचन 21:5; 20:18)

निर्णय-निर्माण (नीतिवचन 16:10; 21:1)

बुद्धि और क्षमता (नीतिवचन 8:15-16)

चरित्र और ईमानदारी (नीतिवचन 16:12; 20:28; 25:5; 29:12)

न्याय और शासन (नीतिवचन 14:35; 29:4; 20:8,26,28)

नम्रता और सीखने की प्रवृत्ति (नीतिवचन 11:2)

प्रभाव और उदाहरण (नीतिवचन 29:2; 14:34)

संचार (नीतिवचन 16:21)

अनुशासन और जवाबदेही (नीतिवचन 27:5-6)

लोगों के प्रति करुणा और देखभाल (नीतिवचन 29:14; 28:16)

पूर्वानुमान और दूरदृष्टि (नीतिवचन 22:3)

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (अधिकतम 3 मिनट) लेकर एक या दो मुख्य अंतर्दृष्टियाँ साझा करे और बताए कि वह उन्हें अपनी विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू करेगा/करेगी। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

संगति (FELLOWSHIP): अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करें

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (अधिकतम 3 मिनट) लेकर परमेश्वर के साथ अपनी चाल से जुड़ी कोई बात, वह शिक्षा जो परमेश्वर उसे सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती साझा करे जिसके लिए वह प्रार्थना चाहता/चाहती है। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें: प्रार्थना और सेवकाई द्वारा

दो या तीन के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से परमेश्वर का धन्यवाद करें और आज जो सीखा गया उसके अनुसार एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के प्रवाह की अपेक्षा करें—चंगाई, चमत्कार, भविष्यवाणी आदि के लिए।

फिर से एकत्र होकर मिलकर प्रार्थना करें:

परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए

कलीसिया के रूप में हम पर और हमारे द्वारा हमारे शहर और राष्ट्र में बहुतों को आशीष देने के लिए परमेश्वर के पवित्र आत्मा के महान उंडेले जाने के लिए। केवल परमेश्वर के आत्मा का महान कार्य ही हमारे शहर और राष्ट्र को बदल सकता है।

BUILD TO IMPACT परियोजना के लिए—कि जब हम अपने बाइबल कॉलेज और कलीसिया की सुविधाओं की योजना बनाते और निर्माण करते हैं, तो सभी विवरण भली-भाँति पूरे हों, ताकि हम प्रभु और लोगों की सेवा कर सकें।